

प्रेषक,

अरुण कुमार डौंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण, उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी, जनपद-नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-01,

देहरादून, 01 मई 2008

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित 'अनुदान संख्या-15' के 'आयोजनेत्तर पक्ष' में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-288/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च 2008 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित 'अनुदान संख्या-15' के 'आयोजनेत्तर पक्ष' में संलग्नक के अनुसार रुपये 8,95,40,000/- (रुपये आठ करोड़ पचास लाख चालीस हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय हेतु आपके निवेदन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाली सम्भावित व्यय की फेंजिंग (त्रैमासिक आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे राज्य स्तर पर केंशपता निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
2. जिन योजनाओं में विगत वर्षों की प्रतिपूर्ति प्राप्त की जानी अवशेष हो उनमें समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए, भारत सरकार को समय से ऑडिट की हुई प्रतिपूर्ति के दायक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
3. वित्तीय वर्ष 2008-09 में इसके पूर्ववर्ती वर्षों के एरियर भुगतान, यदि कोई हो, के विवरण की सूचना पृथक् से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
4. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल उक्तानुसार स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
5. उक्त आवंटित धनराशि व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
6. उक्त धनराशि का व्यय मिलव्यवला के दृष्टिगत नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। धनराशि का व्यय उन्ही मदों में किया जाए, जिनके लिए यह स्वीकृति की जा रही है। वित्तीय स्वीकृतियों के सापेक्ष व्यय का अनुश्रवण भी सुनिश्चित किया जाए।
7. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर परचेज रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह-खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
8. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आहरण-वितरण अधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी.एम.-17 पर निर्धारित समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

9. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैन्युअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
10. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
11. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए। बी.एम.-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
12. लाभार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण के सम्बन्ध में निम्नानुसार प्रक्रिया का पालन किया जाए—
 - (1) प्रत्येक लाभार्थी को छात्रवृत्ति का भुगतान-लाभार्थी के डाकघर बचत खाते के माध्यम से किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
 - (2) प्रत्येक जनपद के लाभार्थियों की सूची हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी में सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सम्बन्धित जनपद के प्रवर डाकघर अधीक्षक/डाकघर अधीक्षक को अधिम रूप से उपलब्ध करायी जाएगी।
 - (3) प्रत्येक जनपद के जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा वांछित धनराशि का एक चैक, जो कि सम्बन्धित जनपद के प्रधान डाकघर के पोस्टमास्टर के पक्ष में देय होगा, को लाभार्थियों की सूची सहित उपलब्ध कराया जाएगा।
 - (4) डाक विभाग चैक प्राप्त होने के दो सप्ताह के भीतर लाभार्थी के बचत खाते में छात्रवृत्ति की धनराशि जमा कराना सुनिश्चित करेगा।
 - (5) दिनांक 15 नवम्बर 2007 को डाक विभाग, उत्तराखण्ड परिमण्डल के साथ किए गए एम.ओ.यू. के अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय की "अनुदान संख्या-15" के "आयोजनेतर पक्ष" के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की श्रुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।
14. वित्त विभाग को शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च 2008 तथा शासनादेश संख्या-326/XXVII(1)/2008, दिनांक 23 अप्रैल 2008 में प्राप्त निर्देशों के क्रम में यह आदेश जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(अरुण कुमार डौंडियाल)
अपर सचिव।

पुष्पांकन संख्या : 389 (1)/XVII-1/2008-10(19)/2007, तददिनांक :
प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. चीफ पोस्ट मास्टर जनरल, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. समस्त कोषाधिकारी/जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. सचिव, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग, देहरादून।
7. समस्त प्रवर डाकघर अधीक्षक/डाकघर अधीक्षक/जनपदों के प्रधान पोस्टमास्टर, उत्तराखण्ड।
8. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. आदेश मंजिका।

आज्ञा से,
(अरुण कुमार डौंडियाल)
अपर सचिव।

लेखाशीर्षक	: 2225-01-001-05-00
मुख्य शीर्षक	: 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
उप मुख्य शीर्षक	: 01-अनुसूचित जातियों का कल्याण
तृतीय शीर्षक	: 001-निर्देशन तथा प्रशासन
उप शीर्षक	: 05-जिला कार्यालयों का अधिष्ठान
व्ययशीर्षक	: 00-

(धनराशि, हजार रुपये में)

मानक मद	धनराशि
01-वेतन	18000
03-महंगाई भत्ता	13500
04-यात्रा व्यय	300
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	200
06-अन्य भत्ते	1980
08-कार्यालय व्यय	250
09-विद्युत देय	300
10-जलकर/जलप्रभार	70
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छमाई	300
13-टेलीफोन पर व्यय	250
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	500
17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	500
18-प्रकाशन	20
19-विज्ञापन, विक्री और विख्यापन व्यय	50
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	300
44-प्रशिक्षण व्यय	50
45-अवकाश यात्रा व्यय	200
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	250
48-महंगाई वेतन	8000
योग	46020

(रुपये चार करोड़ साठ लाख बीस हजार मात्र)

1. अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

भतदेय

लेखाशीर्षक : 2225-01-001-03-00
 मुख्य शीर्षक : 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
 उप मुख्य शीर्षक : 01-अनुसूचित जातियों का कल्याण
 लघु शीर्षक : 001-निर्देशन तथा प्रशासन
 उप शीर्षक : 03-मुख्यालय एवं मण्डलीय अधिष्ठान
 व्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	धनराशि
01-वेतन	2350
02-नजदूरी	20
03-महंगाई भत्ता	1763
04-यात्रा व्यय	250
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	50
06-अन्य भत्ते	259
08-कार्यालय व्यय	200
09-विद्युत देय	200
10-जलकर/जलप्रभार	10
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	200
13-टेलीफोन पर व्यय	100
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	300
17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	275
18-प्रकाशन	50
19-विज्ञापन, बिल्ली और विख्यापन व्यय	150
22-आतिथ्य व्यय विषयक भत्ता आदि	50
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	200
44-प्रशिक्षण व्यय	50
45-अवकाश यात्रा व्यय	100
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	200
48-महंगाई वेतन	1175
योग	7952

(रुपये उनासी लाख बावन हजार मात्र)

लेखाशीर्षक :	2225-03-001-04-00
मुख्य शीर्षक :	2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
उप मुख्य शीर्षक :	03-पिछड़े वर्गों का कल्याण
लघु शीर्षक :	001-निर्देशन तथा प्रशासन
उप शीर्षक :	04-उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन
ब्यौरेवार शीर्षक :	00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	धनराशि
01-वेतन	800
03-महंगाई भत्ता	600
04-यात्रा व्यय	100
06-अन्य भत्ते	89
08-कार्यालय व्यय	25
09-विद्युत देय	10
10-जलकर/जलप्रभार	5
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	15
13-टेलीफोन पर व्यय	50
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	600
17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	200
18-प्रकाशन	10
19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	50
22-आतिथ्य व्यय विषयक भत्ता आदि	20
27-व्यक्तिता व्यय प्रतिपूर्ति	80
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	15
48-महंगाई वेतन	400
योग	3068

(रुपये तीस लाख अड़सठ हजार मात्र)

A

- लेखाशीर्षक : 2225-03-277-03-00
मुख्य शीर्षक : 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
उप मुख्य शीर्षक : 03-पिछड़े वर्गों का कल्याण
लघु शीर्षक : 277-शिक्षा
उप शीर्षक : 03-अन्य पिछड़े हुये जातियों के दशमोत्तर कक्षा में अध्ययन करने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति (100 प्रतिशत केंद्र सहायित)
व्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	धनराशि
21-छात्रवृत्ति और छात्रवेतन	5000
योग	5000

(रुपये पचास लाख मात्र)

- लेखाशीर्षक : 2225-03-277-05-06
मुख्य शीर्षक : 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण
उप मुख्य शीर्षक : 03-पिछड़े वर्गों का कल्याण
लघु शीर्षक : 277-शिक्षा
उप शीर्षक : 05-पिछड़ी जातियों के कक्षा-1 से 10 तक के छात्रों को छात्रवृत्ति एवं अनावर्ती सहायता
व्यौरेवार शीर्षक : 05-पिछड़ी जातियों के पूर्वदशम कक्षाओं में अध्ययनरत छात्रों को निर्धनता के आधार पर छात्रवृत्ति एवं अनावर्ती सहायता (50 प्रतिशत केंद्र सहायित)

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	धनराशि
21-छात्रवृत्ति और छात्रवेतन	27500
योग	27500

(रुपये दो करोड़ पचहत्तर लाख मात्र)

महायोग	89540
(रुपये आठ करोड़ पचानवे लाख चालीस हजार मात्र)	

(अरुण कुमार डौंडियाल)
अपर सचिव।